ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, कोलकाता का

85वां स्थापना दिवस

---

25 दिसंबर 2019

कोलकाता

मुझे आज ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के 85वें स्थापना दिवस के इस अवसर पर कोलकाता के कला मंदिर सभागार में आयोजित इस भव्य समारोह में शामिल होने की अपार खुशी है।

मैं श्री संतोष सराफ जी का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे यहां आमंत्रित किया और इस आयोजन के माध्यम से आप सभी से बातचीत करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

मित्रों, हमारा देश अनादिकाल से अनेक संस्कृतियों, अनेक धर्मों, अनेक जातियों, अनेक नस्लों और अनेक भाषाओं वाला देश रहा है। जाति, संस्कृति, धर्म, भाषा, जीवन शैली, आदि में यह विविधता के कारण ही अनेक जातीय समूहों का अस्तित्व बना हुआ है।

भारतीय समाज की विविधता यही है कि यह एक साथ ही जहां एक ओर अपनी बहुलतावादी परंपराओं की रक्षा करता है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्री य एकता और अखंडता पर भी कोई आंच नहीं आने देता है। यानि हमारा देश फूलों के एक खूबसूरत गुलदस्ते की तरह है, जिसमें भांति-भांति के रंग-बिरंगे फूल अपनी-अपनी चमक और महक बिखेरते हैं।

इसीलिए हम देखते हैं कि हमारे देश में विविध प्रकार की संस्कृतियों, परंपराओं और समूहों के भीतर कई कल्याणकारी संगठन अपना कार्य कर रहे होते हैं, जो अपनी पहचान और विशिष्टता की रक्षा भी करते है।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन एक ऐसा ही सामाजिक संगठन है और यह मारवाड़ी समुदाय का सांस्कृतिक केंद्र भी है।

ब्रिटिश शासन के दौरान अनिवासी मारवाड़ियों के मतदान के अधिकारों की रक्षा के लिए 1935 में स्थापित ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन समय के साथ विकसित होता गया तथा और भी मजबूत होता गया।

अपनी स्थापना के बाद से, यह फेडरेशन सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन के क्षेत्रों की पहचान करने के साथ-साथ अपने विशिष्ट सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचार की रक्षा करने और उसको आगे बढ़ाने के उद्देश्य से 'सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास कर रहा है।

भारत में अपनी तरह के सबसे बड़े संगठनों में से एक, इस संगठन ने समाज, समुदाय और राष्ट्र के कल्याण के लिए पर्याप्त योगदान दिया है। सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक विकास सुनिश्चित करने और हमारी

राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करने वाले अपने मुख्य कार्यों के अनुसरण में, आज इसने सामाजिक सुधारों के लिए कई कार्यकलाप शुरू किए हैं।

जागरूकता फैलाने के लिए, यह 'समाज विकास' नामक एक मासिक पत्रिका भी निकालता है, जिसे लोग बहुत रूचि से पढ़ते हैं।

मारवाड़ी समुदाय से हम सब भलीभांति परिचित हैं। मूल रूप से मेवाड़ क्षेत्र से संबंधित इस समुदाय के लोगों ने अपने सपनों को साकार करने के लिए देश और दुनिया के कोने-कोने में अपना स्थान बनाया है। अपने रास्ते में आई सभी बाधाओं और समस्याओं के बावजूद वे न केवल अपने अस्तित्व को बनाए रखने, बल्कि फलने-फूलने में भी सफल रहे हैं।

आज मारवाड़ी समुदाय लगभग हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। इस छोटे लेकिन कड़ी मेहनत करने वाले समुदाय की सफलता की कहानी हम सभी के लिए प्रेरणा-स्रोत है।

मैं उनके उत्साह और अपनी प्राचीन परंपराओं को जीवित रखने और दूसरों के लिए एक आदर्श उदाहरण स्थापित करने के प्रयासों के लिए उनकी सराहना करता हूं।

व्यापार से शुरू करके एक मेहनती समुदाय के रूप में खुद की पहचान बनाते हुए, मारवाड़ियों ने स्वतंत्र भारत का चेहरा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संख्या में कम होते हुए भी अपनी मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा के बल पर, मारवाड़ी समाज देश के हर कोने और नुक्कड़ तक अपना कारोबार फैलाने में सफल रहा है।

प्रमुख व्यापारिक समुदाय के रूप में, उन्होंने इस शहर कोलकाता में बसने और सही मायने में इसे 'सिटी ऑफ़ जॉय' बनाकर इसके विकास में एक बहुत ही विशेष भूमिका निभाई है।

मुझे विश्वास है कि कोलकाता शहर का जब भी जिक्र होगा, यहां बसे मारवाडी समाज के योगदान के उल्लेख के बिना कोलकाता शहर का इतिहास अधूरा ही रहेगा।

आज, जब व्यापार ने देश की सीमाओं को पार कर लिया है, तो व्यापार में नैतिकता के मानदंड और समान अवसर के मुद्दों ने अधिक महत्व प्राप्त किया है।

मारवाड़ी समाज ने यह सुनिश्चित किया है कि व्यापार पूरी ईमानदारी और उचित तौर-तरीकों से किया जाए। इतना ही नहीं, बल्कि सबसे बढ़कर समय के साथ तालमेल बनाए रखते हुए और मौजूदा रुझान का पालन करते हुए, वे अब विभिन्न स्टार्टअप और ऑनलाइन व्यवसाय में प्रवेश कर रहे हैं।

इसके साथ ही, उन्होंने लोगों के कल्याण के लिए बहुत योगदान दिया है। मानव जाति का कल्याण करना हमारी परंपरा और संस्कृति में गहराई से रचा बसा है, जिसे हम अपना नैतिक कर्तव्य मानते हैं।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि लोगों की सेवा करना उस समाज को वह वापस देने का एक तरीका है जो हमने उससे लिया है। इतना ही नहीं, इससे हमारा मन, मस्तिष्क, और हमारी आत्मा का स्तर ऊँचा उठता है। बदले में कुछ भी उम्मीद किए बिना, समाज के व्यापक हित में कार्य करने से बड़ी कोई खुशी नहीं होती है।

इस दुनिया में मानव जाति की सेवा के लिए पर्याप्त अवसर हैं, केवल एक चीज जिस पर आपको ध्यान देने की जरूरत है वह है एक सही दृष्टिकोण और कल्याण करने की सच्ची कामना।

इस बारे में, मैं यह कहना चाहता हूं कि मारवाड़ी समाज बिना किसी अपेक्षा या पुरस्कार के लोगों की नि:स्वार्थ सेवा कर रहा है; वे समावेशी विकास को प्राप्त करने के मार्ग पर लोकतांत्रिक भावना के सच्चे प्रतिनिधि और हमारे महत्वपूर्ण साथी हैं।

जीवन में शिक्षा का महत्व हम सब जानते हैं। शिक्षा और शैक्षिक अवसरों के माध्यम से इम्पावरमेंट आता है। शिक्षा एक आवश्यक मानवीय गुण है, समाज के लिए एक आवश्यकता है। अच्छे जीवन का आधार है और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम है। शिक्षा की अलख जगाकर हम अपने जीवन की धारा में प्रत्याशित परिवर्तन ला सकते हैं।

मारवाड़ी समाज शिक्षा को बढ़ावा देने और छात्रों के लिए छात्रावासों की व्यवस्था करने तथा उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान करके उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करता रहा है। देश में अनेक प्रमुख शिक्षा संस्था मारवाड़ी समाज की देश को महत्वपूर्ण देन हैं।

मैं विशेष रूप से मारवाड़ी समाज के युवाओं की सराहना करता हूं, जिन्होंने स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों से ही बहुत योगदान दिया है। जमनालाल बजाज और घनश्याम दास बिड़ला जैसी हस्तियों के त्याग और उनकी उदारताओं को कोई कैसे भूल सकता है?

देश के युवाओं को संगठित करने के लिए, वर्ष 1985 में मारवाड़ी युवा मंच की स्थापना की गई, जो पूरे देश में 600 से अधिक शाखाओं की मदद से काम कर रहा है।

आज कई तरह की जानकारी और कौशल से युक्त हमारे युवा, टीम-भावना और कुछ नया करने की जोखिम लेने की प्रवृत्ति विकसित कर रहे हैं। यह सराहनीय है।

हमें ऐसे प्रयास करने चाहिए जो हमारे युवाओं को उन अवसरों का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर सकें जो वैश्वीकरण और तकनीकी परिवर्तनों द्वारा प्राप्त हुए हैं। साथ ही उन्हें भविष्य के रोजगार की संभावनाओं के लिए खुद को तैयार करना होगा।

यह देखते हुए कि व्यापार से लाभ प्राप्त करने के लिए युवाओं की शिक्षा महत्वपूर्ण है, हमें अपने युवाओं को विशिष्ट कौशल से लैस करने के लिए विशेष शिक्षा प्रदान करनी चाहिए।

व्यावसायिक प्रशिक्षण या कौशल विकास हमारे युवाओं को भविष्य की चुनौतियों से बेहतर तरीके से निपटने में मदद कर सकता है।

युवा लोग राष्ट्र के भावी नेता हैं जो नए विचारों को राजनीति की मुख्य धारा में ला सकते हैं। मेरे लिए, वे 'न्यू इंडिया' के प्रतीक हैं।

एक और पहलू जो लगातार हमारा ध्यान आकर्षित कर रहा है, वह है हमारी महिलाएं। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे दुनिया की लगभग आधी आबादी हैं और शायद हर देश की आबादी का आधा हिस्सा हैं।

लोकतंत्र में महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल किया जाना चाहिए। यह उनका मूल लोकतांत्रिक अधिकार है जो किसी भी लोकतांत्रिक ढांचे की मजबूती के लिए आवश्यक है।

आज के संदर्भ में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्राथमिकता यही है कि महिलाओं को उनकी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति में सुधार करके और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं और निकायों में उन्हें शामिल करके उनकी शक्ति को बढ़ाया जाए। समय और सोच में परिवर्तन के साथ आगे बढ़ने के निरंतर प्रयासों के माध्यम से महिलाएं अब बड़ी संख्या में सार्वजनिक क्षेत्र में आगे आ रही हैं।

यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि इस बार 17वीं लोकसभा में 78 महिला सदस्य निर्वाचित होकर आई हैं, जो स्वतंत्रता के बाद लोक सभा में महिलाओं का सर्वाधिक प्रतिनिधित्व है। यह उत्साहजनक है।

इस संबंध में, मैं बड़े संतोष के साथ, इस बात का उल्लेख करना चाहता हूं कि 'मारवाड़ी समाज' महिलाओं के हितों के प्रति वास्तव में जागरूक और संवेदनशील रहा है और उनकी स्थिति में सुधार करता रहा है। वे लगातार उनकी शिक्षा का समर्थक रहे हैं और उनकी प्रगति को बढ़ावा दे रहे हैं।

वर्ष 1983 में पहली बार 'मारवाड़ी महिला सम्मेलन' आयोजित किया गया था। तब से यह विंग, अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से, महिलाओं के विकास के साथ-साथ अन्य सामाजिक मुद्दों के लिए काम कर रहा है।

जैसा कि मैंने सुना है, वे समय-समय पर, गरीब और असहाय लड़कियों की मदद करने, पैसे की अनावश्यक बर्बादी और दिखावे पर किए जाने वाले खर्चे को हतोत्साहित करने के लिए वैवाहिक परिचय सम्मेलन और सामुदायिक विवाह सहित विभिन्न आयोजन करते हैं।

इसी तरह, मेरा मानना है कि हमें पेपरलेस विवाह समारोहों के लिए सभी लोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए। शादी के समारोहों में महंगे निमंत्रण कार्ड की छपाई और भोजन की बर्बादी इत्यांदि पर भी लगाम लगाने की जरूरत है।

मैं अपनी बात समाप्त करने से पहले, एक अलग बात यानी स्वच्छता के मुद्दे पर और प्लास्टिक से अपने परिवेश को मुक्त बनाने के लिए जोर देना चाहूंगा। हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करना तत्काल बंद कर दें क्योंकि यह पर्यावरण के लिए हानिकारक और प्रतिकूल है। इस संबंध में जागरूकता फैलाने की जरूरत है।

साथियो, प्रकृति सुरक्षित है तभी मानव सुरक्षित है। इसलिए, यह आवश्य क है कि हम जल संरक्षण करके, सौर और अन्य गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके, वृक्षारोपण करके और अपने वनस्पतियों और जीव-जन्तुओं की रक्षा करके और स्वच्छता बनाए रखते हुए, अपनी अगली पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित भविष्य प्राप्त करने की दिशा में सामूहिक रूप से काम करें।

साथ ही, अपने देश की एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। मारवाड़ी समाज पूरे देश में फैले होने के बावजूद विविधता में एकता का एक सच्चा उदाहरण है, क्योंकि वे पूरी ईमानदारी से अपने लक्ष्य 'म्हारो लक्ष्य-राष्ट्र की प्रगति' का पालन करते हुए देश के विकास और उन्नति के लिए काम कर रहे हैं।

'समाज का आइना' होने के नाते, मुझे यकीन है कि यह फेडरेशन इस वांछित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

मैं एक बार फिर आप सभी को 'ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, कोलकाता' के 85वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई देता हूं और आपके भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

.....